हरिभूमि

सीहोर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 25 अक्टूबर 2026

सीहोर | भैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

06 पानी की आपूर्ति के लिए आदिवासियों को करना पड़ रहा परेशानियों ...



09 बिना काम ही पंचायत गोघटपुर ने निकाल लिए 3.97 लाख...



खबर संक्षेप

विकसित भारत युवा संसद 2027 के लिए आवेदन 30 तक

सीहोर। युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने, सार्वजनिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नीति-निर्माण की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित भारत युवा संसद 2027 का आयोजन किया जा रहा है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी और गैर-विद्यार्थी दोनों वर्गों के पात्र युवा भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' निर्धारित किया गया है। इसमें भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 17 अगस्त 2026 तक आवेदक की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं तथा वंचित वर्गों के युवाओं को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, युवा संसद के पिछले संस्करणों के राष्ट्रीय दौर के फाइनलिस्ट इस बार पात्र नहीं होंगे। प्रतियोगिता की चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। प्रथम चरण में 31 अक्टूबर से 10 नवंबर तक जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 17 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होगी। अंतिम चरण में 9 और 10 जनवरी 2027 को नई दिल्ली स्थित संविधान सदन में राष्ट्रीय दौर आयोजित किया जाएगा।

नई पानी टंकी में रिसाव ने खोली निर्माण की पोल, क्षमता से ज्यादा पानी भरने पर उठे सवाल

13 लाख की टंकी में 16 लाख लीटर पानी ! पहले ही ट्रायल में खुली नपा की पोल, रिसाव से मचा हड़कंप

टंकी से शनिवार को जलापूर्ति शुरू करने की तैयारी थी। इसके पहले ट्रायल के तौर पर टंकी में पानी भरा गया, लेकिन पानी भरने के दौरान ही जगह-जगह से रिसाव दिखाई देने लगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर के गंज दशहरा मैदान के पास नवनिर्मित पानी की टंकी ने जलापूर्ति शुरू होने से पहले ही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शनिवार को ट्रायल के लिए टंकी में पानी भरा गया तो कई जगह से रिसाव और ओवरफ्लो की स्थिति सामने आई। कांग्रेस नेता विवेक राठौर और रामप्रकाश चौधरी ने आरोप लगाया कि जिस टंकी की डिजाइन क्षमता 13 लाख लीटर बताई जा रही है, उसमें 16 लाख लीटर तक पानी भर दिया गया।

उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी निगरानी और अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि अधिक दबाव से टंकी को नुकसान पहुंचता या कोई बड़ा हादसा हो जाता तो जिम्मेदारी कौन लेता? दूसरी ओर नगर पालिका के सहायक यंत्री विजय कोली ने इसे ऑपरेटरों के बीच समन्वय की कमी से हुआ ओवरफ्लो बताया और संरचना को सुरक्षित बताया है।

पहले ट्रायल में ही रिसाव, शुरू होने से पहले सवालों के घेरे में टंकी

गंज दशहरा मैदान के समीप बनी इस नई पानी की टंकी का शुभारंभ 20 जून को किया गया था। इस टंकी से शनिवार को जलापूर्ति शुरू करने की तैयारी थी। इसके पहले ट्रायल के तौर पर

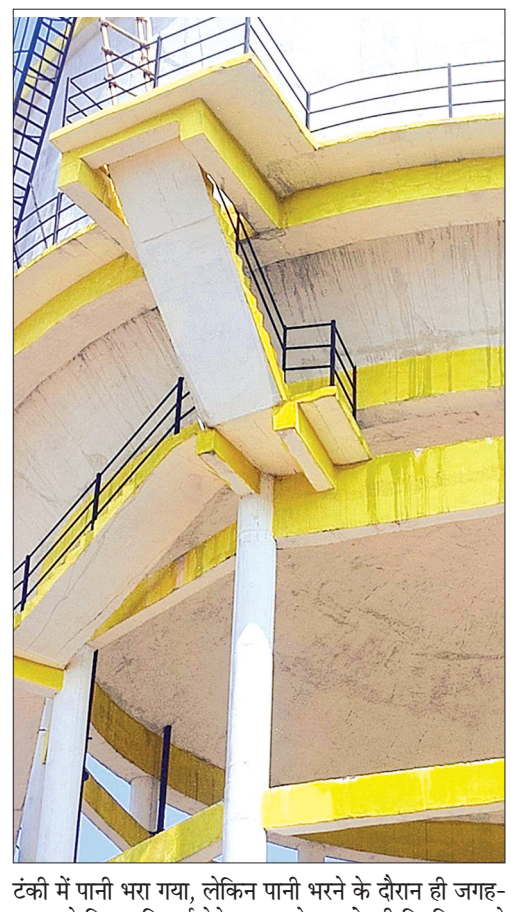

टंकी में पानी भरा गया, लेकिन पानी भरने के दौरान ही जगह-जगह से रिसाव दिखाई देने लगा। ओवरफ्लो की स्थिति सामने आने के बाद निर्माण की गुणवत्ता और टंकी के संचालन को लेकर सवाल उठने लगे। जिस परियोजना से क्षेत्र में बेहतर जलापूर्ति की उम्मीद थी, उसी के पहले परीक्षण ने नगर पालिका के सामने असहज स्थिति पैदा कर दी।

नगर पालिका के तकनीकी अमले की निगरानी पर सवाल उठाए

कांग्रेस नेता रामप्रकाश चौधरी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि टंकी की डिजाइन क्षमता 13 लाख लीटर है, तो उसमें 16 लाख लीटर पानी भरने की जरूरत और अनुमति किस आधार पर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण की निर्धारित क्षमता और वास्तविक संचालन के बीच अंतर की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। चौधरी ने ठेकेदार की भूमिका और नगर पालिका के तकनीकी अमले की निगरानी पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जनता के पैसे से बनी ऐसी संरचना के मामले में केवल आश्वासन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्माण और क्षमता से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

अगर टंकी को नुकसान होता तो जवाबदेह कौन होता ?

कांग्रेस नेताओं ने संभावित खतरे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यदि अधिक पानी भरने से टंकी की संरचना प्रभावित होती और कोई जनहानि हो जाती तो जिम्मेदारी किसकी तय होती। उन्होंने सवाल किया कि क्या टंकी में पानी भरने से पहले उसकी निर्धारित क्षमता और सुरक्षा संबंधी तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया था? उन्होंने नगर पालिका से मामले की जांच कराने और जिम्मेदार पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उनके मुताबिक, जनसुरक्षा से जुड़े मामले में लापरवाही की आशंका को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

मरम्मत का भरोसा, लेकिन तकनीकी सवालों के जवाब जरूरी

सहायक यंत्री ने कहा कि नई टंकियों में शुरुआती दौर में हल्का सीपेज दिखाई दे सकता है। नगर पालिका की ओर से रिसाव वाले हिस्सों की मरम्मत कराई जा रही है और इसे जल्द बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, केवल मरम्मत का आश्वासन मिलने से विवाद पूरी तरह खत्म नहीं होता। टंकी की स्वीकृत डिजाइन क्षमता, वास्तविक भराव, रिसाव के कारण और सुरक्षा मानकों के पालन की तकनीकी जांच महत्वपूर्ण है।

जवाबदेही तय होगी या आश्वासन से खत्म होगा मामला

कांग्रेस नेताओं ने नगर पालिका के तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष या मुख्य नगर पालिका अधिकारी का तकनीकी विशेषज्ञ होना जरूरी नहीं, लेकिन तकनीकी कार्यों की निगरानी और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। अब सवाल यह है कि टंकी की क्षमता और अतिरिक्त भराव को लेकर उठे विवाद की स्वतंत्र तकनीकी जांच होगी या मामला मरम्मत के भरोसे तक सीमित रह जाएगा।

सहायक यंत्री विजय कोली बोले- ऑपरेटरों के समन्वय में हुई चूक : नगर पालिका के सहायक यंत्री विजय कोली ने बताया कि ऑपरेटरों के बीच समन्वय की कमी के कारण टंकी में जरूरत से ज्यादा पानी भर गया था। इससे पानी ओवरफ्लो हुआ और कुछ जगह हल्का रिसाव भी दिखाई दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि टंकी की डिजाइन क्षमता 13 लाख लीटर है, लेकिन उनके अनुसार इसकी संरचना अतिरिक्त पानी के भराव को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। कोली ने दावा किया कि इससे संरचना को कोई खतरा नहीं है और स्थिति कोई बड़ा तकनीकी संकट नहीं है।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर; फिर गड्ढे में पलटा, एक घायल, भोपाल-इंदौर मार्ग पर हादसा



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर में भोपाल-इंदौर मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर सड़क हादसा हो गया। कुबेरेश्वर धाम के पास तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर सामने चल रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक सड़क किनारे बने गड्ढे में पलट गया।

इस दुर्घटना में कार-ट्रक दोनों को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं, हादसे के दौरान एक व्यक्ति के घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर इक्ट्ठा हो गए। जिससे मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि ट्रक गड्ढे में पलटने के बजाय सड़क पर पलटता, तो जनहानि और भी बड़ी हो सकती थी। हादसे के बाद मौके पर यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों को तुरंत चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

'फटी वर्दी में नहीं करेंगे हम काम बैंक खातों में करो पूरा भुगतान'

कोटवारों को किया जाए जमीन मालिक और सरकारी कर्मचारी घोषित



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कोटवारों ने फटी वर्दी पहनकर काम करने से साफ इंकार कर दिया है। कोटवारों की हड़ताल का असर राजस्व के कामों में दिखाई दे रहा है। कोटवार तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जिला मुख्यालय स्थित टाउन हॉल के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। कोटवार सेवाभूमि का मालिक बनाने, सरकारी कर्मचारी घोषित करने और वर्दी की राशि बैंक खाते में ही देने की मांग सरकार से कर रहे हैं। हड़ताल शनिवार को भी जारी रही । सभी गांव के प्रमुख ग्राम चौकीदार कोटवार हड़ताल में शामिल रहे।

इधर कोटवारों की हड़ताल से किसानों के सीमांकन बटवारा कब्जा दिलाने जैसी कार्यवाहियों के साथ कोटवारों के माध्यम से किसानों को भेजे जाने वाली सूचनाओं का आदान-प्रदान भी बंद हो गया है। ग्राम कोटवार के बिना तहसीलदार,आरआई, पटवारी कोई भी राजस्व विभाग का जमीनी काम नहीं कर पा रहे हैं जिस कारण किसानों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के आह्वान पर पूरे प्रदेश में कोटवारों के द्वारा की जा रही हड़ताल के तहत सीहोर जिले के कोटवार भी 28 अक्टूबर तक हड़ताल पर बैठ गए हैं। संघ के जिला अध्यक्ष छगनलाल मालवीय ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोटवारों को पुलिस की तरह खाकी वर्दी उपलब्ध कराई थी लेकिन उनके केन्द्र में जाने के बाद वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कोटवारों को दी गई वर्दी फट चुकी है गल चुकी है। राजस्व विभाग के द्वारा दी जा रही सीली हुई वर्दी पहनने के लायक नहीं है।

जिला अध्यक्ष मालवीय ने कहा कि हमारे दादा परदादा सरकार की सेवा करते आए हैं और गांव में होने वाली हर हलचल पर निगरानी रखते हैं बावजूद इसके हमें मामूली वेतन दिया जा रहा है और सरकारी कर्मचारी भी घोषित नहीं किया जा रहा है। सेवा भूमि पर भी कोटवारों को मलिकाना हक नहीं दिया जा रहा है । जिसके चलते कोटवारो का भविष्य अंधकार में बना हुआ है। कोटवार लंबे समय से सरकार से सरकारी कर्मचारी घोषित करने और सेवा भूमि का मालिक बनाने सहित वर्दी के लिए कपड़ा लेने और सिलवाने की राशि सीधे कोटवार के बैंक खाते में देने की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है जिस कारण कोटवारों में आक्रोश बना हुआ है। धरना प्रदर्शन हड़ताल में जिला उपाध्यक्ष कालूराम, तहसील अध्यक्ष अमर सिंह, उपाध्यक्ष राकेश मालवीय, लालू सेन इछावर, राजमल, जितेंद्र, गोपाल सिंह, रामभरोस, मांगीलाल, राधेश्याम, आनंद, संतोष मालवीय, गोपाल सिंह अहिरवार, अजबसिहं सेवनिया, मंगीलाल खुशीलाल रमेश प्रसाद, बाबुलाल भारती, रामभरोष संतोष मालवीय, रामनश्याण -जंगीरपुरा लीला किशन,राजमल,योगेश, आनंद, महेश कुमार, धर्मेन्द्र,दयाराम, अमरसिंह, अजब सिहँ, खुशीलाल, रामभरान राकेश राधेश्याम, राजेश मोहनलाल, दयाराम, मलखान सिंह,रामस्वरूप के सैकड़ों कोटवार साथी मौजूद रहेंगे।

कुबेरेश्वरधाम में आज मनेगा शरद पूर्णिमा महोत्सव

श्री मुरली मनोहर मंदिर में होंगे दिव्य श्रृंगार और चंद्र दर्शन

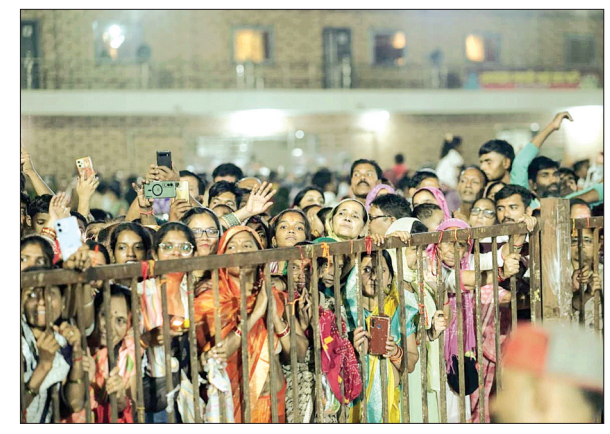

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित श्री मुरली मनोहर मंदिर, कुबेरेश्वरधाम में रविवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सान्निध्य में विठलेश सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में भगवान श्री मुरली मनोहर का दिव्य श्रृंगार, चंद्र दर्शन, राधा नाम संकीर्तन और डांडिया महोत्सव विशेष आकर्षण रहेंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। महोत्सव के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक व्यवस्था रहेगी। मंदिर में भगवान शिव के चंद्रमौली स्वरूप, प्रभु श्रीरामचंद्र और भगवान श्रीकृष्णचंद्र के दिव्य स्वरूपों की झलक विशेष श्रृंगार के माध्यम से एक साथ देखने को मिलेगी। यह दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

चंद्र दर्शन और चंद्र खीर के दर्शन होंगे विशेष : महोत्सव के अंतर्गत रात्रि 7 बजे भगवान श्री मुरली मनोहर का दिव्य श्रृंगार और चंद्र खीर के दर्शन होंगे। इसके बाद शाम 7:30 बजे से रात 9 बजे तक राधा नाम संकीर्तन किया जाएगा। रात 9 बजे से डांडिया महोत्सव आयोजित होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति और उल्लास के साथ सहभागिता करेंगे। मंदिर परिसर में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय बनेगा।

शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा की किरणों का विशेष महत्व : अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने शरद पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी किरणों को अमृतमयी माना जाता है। इसी मान्यता के चलते शरद पूर्णिमा पर खीर बनाकर उसे चांदनी में रखने और बाद में प्रसाद के रूप में ग्रहण करने की परंपरा प्रचलित है। इससे पहले शनिवार को कुबेरेश्वरधाम पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं को विठलेश सेवा समिति की ओर से भोजन प्रसादी वितरित की गई। इस सेवा कार्य में पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सेवाभावी लोगों ने सहयोग किया।

विशेष श्रृंगार और फूलों से सजाया मंदिर परिसर

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि पवित्र कंकर-शंकर की भूमि कुबेरेश्वरधाम स्थित श्री मुरली मनोहर मंदिर में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को भगवान के मनमोहक श्रृंगार, चंद्र दर्शन और राधा नाम संकीर्तन में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में समिति के पदाधिकारियों ने मंदिर में विराजमान भगवानों का विशेष श्रृंगार के साथ फूलों से सजाया है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं से महोत्सव में शामिल होकर भगवान श्री मुरली मनोहर के दर्शन करने तथा धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने की अपील की। विठलेश सेवा समिति द्वारा आयोजन की तैयारियां की गई हैं।

डिजिटल व्यवस्थाओं के बावजूद जिले में काम की रफ्तार बेहद धीमी

मंत्रीजी के मंच से कड़े रुख के बावजूद खुद के गृह जिले में सुस्त पड़े पटवारी, स्वामित्व योजना में सीहोर 17वें नंबर पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा आए दिन सार्वजनिक मंचों से अधिकारियों और पटवारियों को सख्त हिदायत देते नजर आते हैं, लेकिन उनके खुद के गृह जिले सीहोर में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में सीहोर जिला पिछड़कर प्रदेश में 17वें स्थान पर आ पहुंचा है। मंत्री जी के बार-बार कड़े तेवर दिखाने के बावजूद उनके अपने ही जिले में पटवारी पूरी तरह सुस्ती साधे बैठे हैं, जिसका सीधा असर ग्रामीण हितग्राहियों पर पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण आबादी को उनकी संपत्ति के वैधानिक दस्तावेज देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर पर स्वामित्व योजना के विशेष चरण की शुरुआत की गई थी। शुरुआत में पटवारियों द्वारा किए गए बहिष्कार के चलते जिले में कई दिनों तक एक भी रजिस्ट्री दर्ज नहीं हो सकी। हालांकि बाद में राज्य सरकार ने पटवारियों की मांगों को स्वीकार कर लिया, लेकिन इसके बावजूद सीहोर जिले के पटवारी काम में तेजी या चुस्ती-फुर्ती दिखाने के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं।

चार विधानसभाओं वाले बड़े जिले का निराशाजनक प्रदर्शन

बता दें सीहोर एक बड़ा और प्रशासनिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण जिला है, जिसमें बुधनी, सीहोर, आष्टा और स्वयं राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा की विधानसभा सीट इछावर शामिल हैं। इसके बावजूद अब तक जिले में केवल 3,534 रजिस्ट्रियां ही दर्ज हो सकी हैं। मंत्री जी के अपने क्षेत्र और प्रभाव के बावजूद इस तरह का लचर प्रदर्शन स्थानीय प्रशासनिक कसावट और पटवारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

शीर्ष जिलों से बहुत पीछे सीहोर

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पूरे मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों में अब तक कुल 1 लाख 60 हजार 230 रजिस्ट्रियां पूरी की जा चुकी हैं। योजना में छिंदवाड़ा जिला 8,530 रजिस्ट्रियां पूर्ण कर पूरे प्रदेश में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। इसके बाद रीवा 7563, सागर 7289, राजगढ़ 6285 और छतरपुर 6128 जैसे जिलों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पड़ोसी जिले राजगढ़ और विदिशा 4850 जैसे क्षेत्रों की तुलना में सीहोर का 17वें पायदान पर खिसक जाना यह बताता है कि प्रशासनिक ढिलाई के कारण जिले के ग्रामीण अपने जायज अधिकारों से वंचित हो रहे हैं।

डिजिटल तकनीक और ड्रोन सर्वे के बावजूद ढिलाई

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र का ड्रोन तकनीक से सटीक सर्वे किया जाता है, ताकि ग्रामीणों को उनकी जमीन-मकान का स्पष्ट कानूनी हक मिल सके और वे बैंक लोन जैसी वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठा सकें। सरकार ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए सारा एप और संपदा 2.0 जैसी डिजिटल प्रणालियों को भी लागू किया है। तकनीक की उपलब्धता और पारदर्शी व्यवस्था होने के बावजूद सीहोर में पटवारियों का रवैया उदासीन बना हुआ है। यदि यही स्थिति रही तो राजस्व मंत्री के गृह जिले के हजारों ग्रामीणों को अपनी ही संपत्ति का मालिकाना हक पाने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

खबर संक्षेप

मतदाता पुनरीक्षण के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित

सीहोर। संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण-2027 की प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला मुख्यालय पर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इसका उद्देश्य पात्र नागरिकों विशेष रूप से दिव्यांगजनों, प्रवासियों एवं बुजुर्ग मतदाताओं को चुनावी सेवाओं तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराना है। इस कार्य के लिए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीहोर के सहायक संचालक महेश कुमार यादव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें आयोग के निर्देशानुसार हेल्प डेस्क का कार्य सुचारू रूप से संचालित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाल विवाह रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश

सीहोर। मध्यप्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग ने देवउठनी ग्यारस के अवसर पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टरों को जारी निर्देशों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने, बाल विवाह की सूचना प्राप्त करने और तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। निर्देशों के अनुसार, देवउठनी ग्यारस पर सामूहिक विवाह बड़ी संख्या में आयोजित होते हैं। ऐसे में बाल विवाह की आशंका को देखते हुए ग्राम एवं वार्ड स्तर पर निगरानी दल गठित किए जाएंगे। स्कूलों-कॉलेजों में विद्यार्थियों को जागरूक करने, गांवों में बैठकें आयोजित करने तथा आंगनवाड़ी और स्कूल के बच्चों की जागरूकता रैली निकालने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ दिलाई जाएगी। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित करने और विशेष निगरानी दलों के माध्यम से सामूहिक विवाह स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बाल विवाह की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 एवं बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने अधिकारियों को बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 के तहत आवश्यक कार्रवाई करने, स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से जनजागरूकता बढ़ाने तथा अभियान में आयोजित गतिविधियों और रोके गए बाल विवाह की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

110 घरों के नल कनेक्शन का बिजली बिल कंपनी ने पंचायत को 16 लाख का थमाया

पानी की आपूर्ति के लिए आदिवासियों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना

110 घरों के नल कनेक्शन का बिजली कंपनी ने पंचायत को थमाया 16 लाख का बिल , 2 माह से बंद पड़ी नल-जल योजना







हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

जनपद पंचायत के तहत आने वाले आदीवासी गांव बावड़ियां चोर के वाशिंदों को इस समय पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। दरअसल गांव में संचालित नल-जल योजना पिछले करीब दो माह से बंद है । इसका कारण बिजली कनेक्शन काटा जाना बताया जा रहा है। लेकिन इसमें हैरानी की बात यह है कि गांव के महज 110 घरों के नल कनेक्शन का बिजली बिल कंपनी ने पंचायत को 16 लाख रुपए का थमाया है। इतनी बड़ी राशि जमा करने में ग्राम पंचायत भी अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। सरपंच , सचिव ने जनपद सीईओ को पत्र लिखकर बकाया बिल राशि जमा करने में असमर्थता जताई है। साथ ही बिजली बिल की जांच कराने की भी मांग की है।

ग्राम पंचायत बावड़ियां जिसमें अधिकांश आदिवासी परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों को पानी की सुविधा मुहैया कराने के लिए यहां जल प्रदाय योजना संचालित है। लेकिन पिछले करीब दो माह से योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। इसका कारण बिजली आपूर्ति बंद होना बताया जा रहा है। स्थिति यह है कि लोगों को पानी की व्यवस्था के लिए कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं एवं बच्चों को इधर - उधर हेडपंप एवं खेतों में स्थित कुएं , ट्यूबवेल से पानी ढोकर लाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

110 नल कनेक्शन का 16 लाख बिजली बिल

इस संबंध में पंचायत सचिव घनश्याम मीणा ने बताया कि गांव में महज 110 नल कनेक्शन है , जिनके माध्यम से ग्रामीणों को पानी की सप्लाई की जाती है। लेकिन बिजली कंपनी द्वारा हाल ही में इस विद्युत कनेक्शन का 16 लाख रुपए का बकाया बिजली बिल थमाया है। व्यवहारिक तौर पर बिजली बिल में गड़बड़ी होना प्रतीत हो रहा है। साथ ही पंचायत के लिए इतनी बड़ी राशि जमा करना भी संभव नहीं है। हमने वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत करा दिया है।

बिजली कनेक्शन काटने से गहराया जलसंकट : सरपंच दिनेश ने बताया कि बिजली कंपनी ने करीब 3 माह पहले जल प्रदाय योजना का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। इस कारण गांव में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसी कारण ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

जानकारी नहीं है

मैंने हाल ही में ज्वाइन किया है, इस कारण मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है। जानकारी लेकर ही कुछ बता पाऊंगा।

नितेश कौरव, एई विद्युत वितरण कंपनी इछावर

सीहोर ने रायसेन को 190 से हराया, दूसरे मैच में विदिशा के खिलाफ बढ़त हासिल की



सीहोर। शहर के बीएसआई मैदान पर मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देश पर बीडीसीए के सहयोग से जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा इंटर डिस्ट्रीक अंडर-15 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पहले मैच में सीहोर ने रायसेन को 190 रन के विशाल अंतर से हराया था, वहीं दूसरे मैच में सीहोर ने विदिशा के खिलाफ बढ़त हासिल की है। इस मौके पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक सुदेश राय ने प्रतियोगिता को लेकर एक समिति का गठन किया है। जिसमें एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा सहित अन्य मौजूद है। बीडीसीए के पर्यवेक्षक मुजीब उद्दीन, आशीष शर्मा, अतुल त्रिवेदी, मैच के निर्णायक नागेन्द्र व्यास, श्रेषय नायर, मदन कुशवाहा, रोहित धाकड़ और मृदुल सक्सेना आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

बीएसआई मैदान पर पहला मुकाबला सीहोर रायसेन के मध्य खेला गया था। इसमें सीहोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 60 ओवर में 10 विकेट खोकर 235 रन बनाए थे, इसमें आहद ने 85 रन, राजवीर साहू ने 65 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायसेन 45 रन पर सिमट गइ। सीहोर की ओर से गेंदबाजी करते हुए प्रियांश मालवीय ने 10 ओवर में 9 मैडन, 10 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

दूसरे मुकाबले में विदिशा के खिलाफ बढ़त हासिल की : डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार को पहले दिन सीहोर और विदिशा के मध्य मैच खेला गया। इसमें पहले दिन विदिशा टीम 53 रन ही बना सकी। इसमें अरीम अली ने विदिशा की ओर से 20 रन बनाए थे। सीहोर की ओर से गेंदबाजी करते हुए आर्यनवर्धन ने 8 ओवर में 5 मैडन देकर 4 रन देकर 5 विकेट, अनिभनव राठौर ने 2 विकेट, प्रियांश मालवीय, आर्यन तोमर ने 1-1 विकेट हासिल किया।

नर्मदा में अवैध रेत उत्खनन पर दूसरे दिन भी कार्रवाई, एक पनडुब्बी मशीन जब्त

भैरुंदा के चौरसाखेड़ी रेत घाट पर खनिज विभाग की दबिश, मशीन थाने में रखवाई



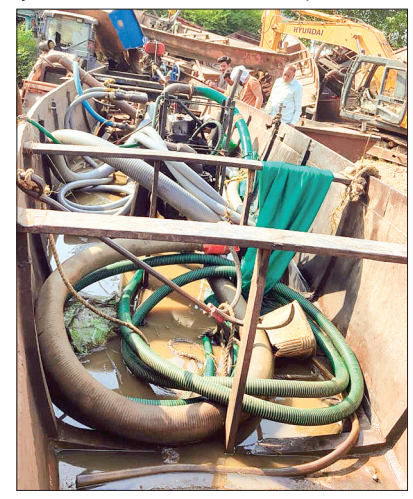

भैरुंदा। सीहोर जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ खनिज विभाग की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग के द्वारा नर्मदा नदी के घाटों पर निगरानी रख रही है। इसी क्रम में शनिवार को भैरुंदा तहसील के ग्राम चौरसाखेड़ी स्थित रेत घाट पर दबिश देकर रेत निकालने में इस्तेमाल की जा रही एक नाव मशीन (पनडुब्बी) जब्त की गई। जब्त मशीन को सुरक्षा की दृष्टि से भैरुंदा थाने में रखवाया गया है। लगातार हो रही कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

खनिज अधिकारी राजकुमार बराठे के अनुसार, शनिवार को खनिज विभाग की टीम ने चौरसाखेड़ी रेत घाट पर नर्मदा नदी में कार्रवाई की। इस दौरान नदी से रेत निकाल रही एक नाव मशीन पनडुब्बी को जब्त किया गया। कार्रवाई के बाद मशीन को भैरुंदा थाने में रखवाया गया। विभाग की टीम जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ही भैरुंदा तहसील के नर्मदा घाटों पर भी लगातार नजर बनाए हुए है।

लगातार जारी रहेगी कार्रवाई

नर्मदा नदी के घाटों पर अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए खनिज विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। विभाग की टीम घाटों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई कर रही है। लगातार दूसरे दिन हुई कार्रवाई से स्पष्ट है कि विभाग अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय है। खनिज अधिकारी बराठे ने बताया कि जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। भैरुंदा क्षेत्र के नर्मदा घाटों पर विशेष नजर रखी जा रही है। विभाग की टीम लगातार निगरानी करेगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चार महीने से मानदेय नहीं मिला, मंगलवार से बच्चों का भोजन बनाना बंद करेंगी महिलाएं

दुकानदारों ने उधार देना बंद किया तो बिगड़ी आर्थिक स्थिति, 4 घंटे इंतजार के बाद भी नहीं मिले अधिकारी, तहसील में प्रदर्शन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा



स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बनाने वाली स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को चार महीने से मानदेय नहीं मिला है। भुगतान अटकने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। जिन दुकानदारों से उधार में राशन, दूध और सब्जियां लेकर भोजन बनाने की व्यवस्था की जा रही थी, उन्होंने भी अब सामान देना बंद कर दिया है। ऐसे में महिलाओं के सामने घर चलाने के साथ बच्चों के लिए भोजन तैयार करने का संकट खड़ा हो गया है।

अपनी समस्या लेकर शनिवार को तहसील कार्यालय पहुंचीं महिलाओं को परिसर में चार घंटे इंतजार के बाद भी अधिकारी नहीं मिले। नाराज महिलाओं ने चेतावनी दी है कि मंगलवार तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे स्कूलों और आंगनबाड़ियों में मध्यान्ह भोजन बनाना बंद कर देंगी। मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन भी करेंगी, साथ ही उनकी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

चार घंटे तहसील में इंतजार किया, फिर निराश हो लौटना पड़ा

महिलाएं शनिवार दोपहर करीब 12 बजे किराए के वाहनों से तहसील कार्यालय पहुंची थीं। वे चार महीने का बकाया मानदेय दिलाने और मध्यान्ह भोजन के लिए पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपना चाहती थीं। महिलाओं का आरोप है कि वे करीब चार घंटे तक अधिकारियों का इंतजार करती रहीं, लेकिन उनकी समस्या सुनने कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। चिलचिलाती गर्मी में भूखी प्यासी बैठी रही आख़िर में उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

उधार चुकाना मुश्किल, दुकानदारों ने भी हाथ खींचे : ग्राम सिराली की स्वसहायता समूह सदस्य जस्मा बाई और राधल बाई ने बताया कि चार महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। पहले राशन, दूध और सब्जियों के लिए दुकानदारों से उधार लेना पड़ता था, लेकिन अब दुकानदारों ने भी उधार देना बंद कर दिया है।

पहले से लिया गया उधार चुकाने की चिंता भी बनी हुई है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें बच्चों के लिए नियमित भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी निभानी है, लेकिन भुगतान और खाद्यान्न की परेशानी के कारण व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है।

बकाया भुगतान और खाद्यान्न की मांग

महिलाओं ने प्रशासन से चार महीने का लंबित मानदेय जल्द जारी करने और मध्यान्ह भोजन के लिए जरूरी खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराने की मांग की है।

उनका कहना है कि आर्थिक परेशानी के बावजूद वे अब तक बच्चों के लिए भोजन तैयार कर रही हैं, लेकिन भुगतान नहीं होने और उधार बंद होने से काम जारी रखना कठिन हो गया है। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो मंगलवार से भोजन बनाना बंद कर देंगी और तहसील कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेंगी। भैरुंदा एसडीएम सुधीर कुशवाह ने बताया कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं की ओर से ज्ञापन देने आने की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

चर्च ग्राउंड को बनाया जाएगा फुटबॉल हाउस: डिप्टी डायरेक्टर शंभू यादव



सीहोर। शहर के चर्च मैदान को फुटबॉल हाउस बनाए जाने की गतिविधियां तेज हो गई है। इसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर इंडियन साइन की ओर से शंभू यादव, प्रदीप अस्थियां खेल एवं युवा कल्याण की अधिकारी रुबिका दीवान, खेल प्रशिक्षक सुयश कनौजिया इंटरनेशनल प्लेयर खेल प्रशिक्षक मनोज कनौजिया सचिव आनंद उपाध्याय एवं अन्य खिलाड़ियों ने डिप्टी डायरेक्टर से खेल सामग्री ग्राउंड को लेकर चर्चा डिप्टी डायरेक्टर शयादव ने 20 मिनट तक खिलाड़ियों से खेल के ऊपर चर्चा की आप प्रोफेशनल खिलाड़ी बने टारगेट लेकर चले कम से कम 150 मिनट का प्रतिदिन अभ्यास करें, पढ़ाई और खेल पर ध्यान दें चर्च ग्राउंड को हम फुटबॉल हाउस बनाएंगे, फुटबॉल हाउस मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण के नाम से यह ग्राउंड जाना जाएगा खेल के कई आधुनिक इंस्ट्रूमेंट हम आपको उपलब्ध कराएंगे आप अच्छे खेल का प्रदर्शन करें अच्छे खिलाड़ी बने प्रत्येक खिलाड़ी से चर्चा करते हुए उन्हें किस खेल सामग्री की आवश्यकता है इस पर भी चर्चा की।

नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ निकाला चल समारोह

रेहटी में निकला आरएसएस का पथ संचलन

जगह-जगह किया पुष्प वर्षा से स्वागत





हरिभूमि न्यूज ⏭ रेहटी

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा रेहटी नगर में पथ संचलन निकाला गया।

इस दौरान संघ के स्वयंसेवकों ने गणवेश के साथ हाथों में दंड लिए कतारबद्ध कदमताल की। इससे पहले पथ संचलन की शुरुआत खेल स्टेडियम से हुई। पथ संचलन गांधी चौक, मुख्य बाजार, मंडी क्षेत्र, पुराना बस स्टैंड, पटवा कॉलोनी और हनुमान चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पथ संचलन में कदमताल कर रहे स्वयंसेवकों पर जगह-जगह पुष्प वर्षा हुई। पुराना बस स्टैंड पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र मीना पटेल एवं हिंदू उत्सव समिति की ओर से स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित मार्ग पर अनुशासन और एकरूपता के साथ आगे बढ़ते रहे।

इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला सह कार्यवाह नीरज त्रिपाठी सहित संघ के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संघ की महत्ता बताई। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर हो रहे आयोजनों के बारे में भी बताया। इस दौरान वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संघ के अनुशासन एवं निष्ठा को लेकर भी स्वयं सेवकों को सीख दी। साथी अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा भी जगह-जगह पुष्प वर्षा का पद संचलन का स्वागत किया गया।

2 मेगावाट के सोलर प्लांट से ट्रांसफार्मर का कॉपर केबल और ऑयल चोरी

आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर



भैरूंदा। क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। थाना क्षेत्र के राला गांव में स्थित 2 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट से ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर कॉपर केबल और ऑयल चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर प्लांट संचालक भारत सिंह भाटी की शिकायत पर पुलिस ने 19 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की थी, लेकिन शिकायत के अनुसार घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद चोरी के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर बताए जा रहे हैं। भारत सिंह भाटी का राला गांव में सोलर प्लांट स्थापित है। प्लांट पर बिजली व्यवस्था के लिए ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जो घटना से करीब एक सप्ताह पहले ही आया था। प्लांट की सुरक्षा के लिए गार्ड की ड्यूटी भी लगाई गई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, 16 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे गार्ड ने फोन कर बताया कि 15 अक्टूबर की रात लगभग 11:30 बजे सोलर प्लांट में चोरी की घटना हुई है। सूचना मिलने पर प्लांट संचालक अपने भाई के साथ मौके पर पहुंचे। वहां जांच करने पर पता चला कि अज्ञात व्यक्ति छोटे एवं बड़े ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसके अंदर से कॉपर की केबल और ऑयल निकालकर ले गए। कुछ ऑयल जमीन पर भी गिरा हुआ मिला। भारत सिंह भाटी के अनुसार, चोरी गए कॉपर की मात्रा करीब 15 से 16 क्विंटल बताई गई है। सोलर प्लांट जैसे महत्वपूर्ण विद्युत प्रतिष्ठान में ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर बड़ी मात्रा में कॉपर केबल और ऑयल चोरी किए जाने की घटना गंभीर मानी जा रही है। ट्रांसफार्मर से कॉपर निकालने के लिए उसे नुकसान पहुंचाया गया, जिससे आर्थिक नुकसान के साथ विद्युत उपकरणों को भी क्षति पहुंची है। इसके बावजूद मामले में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी या चोरी गई सामग्री की बरामदगी को लेकर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद से प्लांट संचालक को चोरी के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी का इंतजार है। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी चोरी को अंजाम देने वाले आरोपियों तक पुलिस कब पहुंचेगी और चोरी गई सामग्री की बरामदगी कब तक हो पाएगी। मामले में अब पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण है। घटनास्थल के आसपास के साक्ष्यों, संभावित आवाजाही, संदिग्ध व्यक्तियों और चोरी गए कॉपर की खरीद-बिक्री से जुड़े पहलुओं की जांच से आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। फिलहाल एफआईआर दर्ज होने के बाद भी मामले का खुलासा नहीं होने से प्लांट संचालक को इंतजार करना पड़ रहा है।

न्यू बस स्टैंड पर स्वच्छता परिसर निर्माण के नाम पर कार्य शुरू होने से पहले भुगतान का मामला

बिना काम ही पंचायत गोघटपुर ने निकाल लिए 3.97 लाख, पंचायत इंस्पेक्टर ने मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ माचलपुर

जनपद पंचायत जीरापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गोघटपुर में न्यू बस स्टैंड पर स्वच्छता परिसर निर्माण के नाम पर कार्य शुरू नहीं होने से पहले ही भुगतान किए जाने का मामला सामने आया है। मेरी पंचायत पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल को ओम स्टील, जीरापुर के नाम पर 3 लाख 97 हजार रुपये का भुगतान दर्ज है। ग्रामीणों का आरोप है कि भुगतान के समय निर्माण कार्य नहीं हुआ था। मामले में शिकायतों और खबर प्रकाशन के बाद करीब छह महीने बाद निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इससे पंचायत की भुगतान प्रक्रिया और जिम्मेदारों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।





निर्माण से पहले भुगतान कैसे हुआ?

ग्रामीणों के अनुसार, न्यू बस स्टैंड पर स्वच्छता परिसर का निर्माण होना था, लेकिन कार्य शुरू होने से पहले ही राशि का भुगतान कर दिया गया। इस मामले में सरपंच योगेश गुप्ता और सचिव भेरूलाल कुम्भकार की भूमिका को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत जीरापुर से लेकर जिला पंचायत राजगढ़ तक शिकायत की है। इसके बावजूद अब तक जांच दल गठित होने या जांच शुरू होने की जानकारी सामने नहीं आई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भुगतान के समय निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ था, तो राशि किस आधार पर जारी की गई? क्या भुगतान से पहले इंजीनियर ने स्थल निरीक्षण कर मूल्यांकन किया था? यदि हां, तो बिना निर्माण कार्य के मूल्यांकन किस आधार पर किया गया? इन सवालों का जवाब संबंधित दस्तावेजों की जांच से ही स्पष्ट हो सकेगा।

जांच और जवाबदेही का इंतजार

ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जनपद और जिला पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी मामले की जांच कब शुरू करते हैं और भुगतान से संबंधित बिल-वाउचर, माप पुस्तिका तथा तकनीकी मूल्यांकन की पड़ताल करते हैं या नहीं। सरकारी राशि के उपयोग और निर्माण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि भुगतान की प्रक्रिया, निर्माण में देरी और जिम्मेदारी से जुड़े तथ्यों का खुलासा हो सके।

इनका कहना है...

इस संबंध में सचिव से पूछा जाए कि उन्होंने राशि क्यों निकाली। नियमानुसार छह महीने तक कार्य नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई हो सकती है। पंचायत सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

अनिल शिवहरे, पंचायत इंस्पेक्टर जीरापुर

उक्त योजना की राशि निकाल ली गई है, लेकिन अब काम चालू कर दिया, जल्द ही निर्माण पूरा हो जाएगा।

भेरूलाल कुंभकार, सचिव ग्राम पंचायत गोघटपुर

निर्माण की गुणवत्ता पर उठे

टीन शेड हवा में उड़ा, कई चद्दरें मुड़ गईं तो कई उखड़ गईं



नगर पालिका ने ठेकेदार का भुगतान रोका

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

नगर पालिका सारंगपुर में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। वार्ड क्रमांक 18 में एसपी हनुमान मंदिर के पास कुछ समय पहले चद्दर सेड लगाया गया था। , लेकिन टीन शेड की हालत देखकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के अनुसार, टीन की चादरें इतनी पतली हैं कि तेज हवा के चलते कुछ चादरें उड़ गईं, जबकि कुछ छत पर ही मुड़कर क्षतिग्रस्त हो गईं। निर्माण के कुछ ही समय बाद शेड की ऐसी स्थिति सामने आने से सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण कार्य में बरती गई सावधानियों पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर जब नगर पालिका के इंजीनियर विक्की ब्राह्मण से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोक दिया गया है। हालांकि, भुगतान रोकने के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर कराई जाएगी और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध क्या कार्रवाई होगी, यह देखना बाकी है। सार्वजनिक कार्यों का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि निर्माण के कुछ समय बाद ही शेड क्षतिग्रस्त होने लगे, तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होना जरूरी है। अब सवाल यह है कि नगर पालिका सारंगपुर केवल भुगतान रोककर मामला समाप्त करेगी या निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराकर जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई भी करेगी?

जिला, संभाग व राज्य स्तर पर प्रथम रहे

अविरल की संगीत में जीत की हैट्रिक राष्ट्रीय कला उत्सव के लिए चयनित



हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर

नगर के होनहार गायक अविरल सक्सेना ने कला उत्सव की शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में लगातार तीन स्तरों पर सफलता हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई है। अविरल ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संभाग स्तर के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद संभाग स्तर पर जीत दर्ज करते हुए राज्य स्तर पर प्रवेश किया। राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान हासिल कर उन्होंने राष्ट्रीय कला उत्सव के लिए अपना चयन सुनिश्चित किया।

अविरल सक्सेना नगर के प्रसिद्ध संगीत गुरु एवं बागेश्वरी म्यूजिक एकेडमी के संचालक अजय वंशकार के शिष्य हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में अविरल ने शास्त्रीय संगीत की साधना शुरू की। कुछ वर्ष पूर्व नवोदय विद्यालय में चयन होने के बाद उन्हें वहां के वरिष्ठ संगीत गुरु श्याम सुंदर भट्ट से भी संगीत की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। दोनों गुरुजनों के मार्गदर्शन, नियमित रियाज और अविरल की निरंतर मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अविरल के पिता सत्येंद्र सक्सेना एवं माता स्मिता सक्सेना ने उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सफलता का श्रेय गुरुजनों के आशीर्वाद और बेटे की मेहनत व लगन को दिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित



हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक गत दिवस को भोपाल संभाग के संभागीय संयुक्त संचालकएच.के. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। इस दौरान शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को पूर्ण करने पर जोर दिया गया।

लोकतंत्र बचाओ भीड़ तंत्र हटाओ को लेकर भाजपा जिला बैठक संपन्न

कांग्रेस सनातन संस्कृति को समाप्त करने में लगी: सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

लोकतंत्र बचाओ भीड़ तंत्र हटाओ को लेकर भाजपा की जिला बैठक ब्यावरा रोड पर स्थित सोना कुंज होटल में शुक्रवार को दिन के 12बजे आयोजित की गई। बैठक को जिला प्रभारी ध्रुवनारायण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सनातन संस्कृति को समाप्त करने मैं लगी हुई है। परंतु उसके पास शिवाय अफवाह फैलाने हिंदुओं को बांटने तथा असंभव कार्य को संभव बनाने के लिए भीड़ तंत्र का सहारा लेकर केंद्र की सरकार तथा चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बार-बार सवाल उठाकर जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है। जबकि कई प्रदेशों में कांग्रेस को सत्ता से दूर हुए 20 से 40 वर्ष बीत चुके हैं फिर भी कांग्रेस एसआईआर पर बार-बार सवाल उठा उठाकर देश में अराजकता फैलाना का कार्य करने में लगी हुई

भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर द्वारा कहा कि इस आयोजन को लेकर प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक एक टोली का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से इस आंदोलन को नीचे तक ले जाने का कार्य पार्टी के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और सभी कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर कांग्रेस के दुष्प्रचार को रोकना होगा। जिससे देश की भोली भाली जनता इन नेताओं के बहकावे में नहीं आपावे। कार्यक्रम को स्वतंत्र राज्य मंत्री गौतम टेटवाल लोकतंत्र बचाओ भीड़ तंत्र हटाओ के जिला संयोजक मोहन गुप्ता द्वारा भी संबोधित किया गया। वही इस बैठक व्यवस्था को अमली जामा पहनाने वाले विधायक मोहन शर्मा द्वारा कहा कि हम सौभाग्यशाली है जो हमें एक साथ जिले के इतने नेताओं का स्वागत सत्कार करने का मौका मिलता है आप हमें बार-बार अवसर दें हम इसी प्रकार आपको व्यवस्था देते रहेंगे साथ ही उन्होंने कांग्रेस के चरित्र पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति हमेशा हिंदू मुस्लिम को बांटकर देश की एकता और अखंडता को खंडित करने का काम अगर किसी पार्टी द्वारा किया जाता रहा है इसी का परिणाम है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर भीड़ तंत्र का सहारा लेकर देशमें अराजकता फैलाकर समाज को बांटने का कार्य कर रही है।



इस अवसर सांसद रोडमल नागर, प्रदेश कार्य समिति सदस्य दिलबर यादव, पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, बद्रीलाल यादव, प्रताप मंडलोई, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चैहान, दीपक शर्मा, अभियान प्रभारी मोहन गुप्ता, जिला महामंत्री देवीसिंह सौंधिया, ममता इंदौरिया,मंडल अध्यक्ष देवेंद्रसिंह बन्ना सभी मंचा सीन अतिथियों ने भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर बैठक प्रारंभ की गई।

'श्रीपाल रास का वृष्तांत हमें धर्म पर श्रद्धा रखने व मिथ्यात्व से दूर रहने की प्रेरणा देता है'

हरिभूमि न्यूज ⏭ बमंदसौर

नवपदजी की ओली की धर्म आराधना के दौरान हम सभी को श्रीपाल रास का श्रवण करना चाहिए। श्रीपाल रास का जो वृष्तांत है वह हमें धर्म पर श्रद्धा रखने व मिथ्यात्व से दूर रहने की प्रेरणा देता है, जो भी व्यक्ति धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा रखता है उसका सदा ही मंगल होता है तथा मिथ्यात्व दृष्टि रखने वालों को जीवन में दुख, गरीबी, अपयश ही भोगना पड़ता है।

जैन संत प्रत्यक्षरत्नविजय म.सा. ने जीवागंज स्थित श्री राजेन्द्र विलास में आयोजित श्रीपाल रास का श्रवण कराते हुए कहे। उन्होंने नवपद की ओली के सप्तम दिवस शनिवार को श्रीपाल व मैनासुन्दरी का वृतांत बताते हुए कहा कि मैनासुन्दरी धर्म पर श्रद्धा रखने वाली सच्ची श्राविका थी, वह देव, गुरू व धर्म पर अटूट श्रद्धा रखती थी जबकि उसकी बहन सुर सुंदरी मिथ्यात्म को ही धर्मा मानती थी। अर्थात वह धर्म के प्रति श्रद्धा नहीं बल्कि मिथ्यादृष्टि रखती थी। उज्जैन के राजा प्रजापाल ने सुरसुंदरी का विवाह राजपूत अर्थात राजा के यहाँ किया लेकिन अपनी एक और पुत्री मैनासुंदरी का विवाह कुष्ठरोगी श्रीपाल से किया। मैनासुंदरी ने गुरु से आज्ञा लेकर प्रभुजी का स्नात महोत्सव किया, उसके प्रभाव के कुष्ठ रोगी श्रीपाल पुनः रूपवान हो गया और उसने जीवन में कई युद्ध कर विजेता बनते हुए विशाल सेना व सम्पत्ति अर्जित की। नवपदजी की ओली के प्रभाव से मैनासुन्दरी व श्रीपाल ने धन, यश सब पाया लेकिन दूसरी और मिथ्यात्व भाव रखने वाली सुरसुन्दरी को विवाह के बाद कई कष्ट सहन करने पड़े। उसका पति राजपुत्र होने के बावजूद भी पत्नी को विपद में छोड़ भाग गया। बाद में सुरसुन्दरी को नटकला दिखाने वाली मण्डली में नृत्य करने वाली के रूप में शामिल होना पड़ा इसलिए जीवन में मिथ्यात्व भाव छोड़ो, धर्म पर श्रद्धा रखो। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक, श्राविकाएं उपस्थित थे। प्रभावना तेजमलजी चांदमलजी दुग्गड़ परिवार ने वितरित की।

धन को नहीं, धर्म को महत्व दो : विरलविजय

मंदसौर। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में धर्म को महत्व देना चाहिए। धर्म के बिना जीवन में कहीं भी सुख नहीं मिल सकता। साश्वत नवपदजी की ओली में श्रीपाल व मैनासुन्दरी की कथा हमें जरूर सुनना चाहिए किस प्रकार धर्म पर अटूट श्रद्धा रखने वाली मैनासुन्दरी ने देव, गुरू व धर्म के प्रभाव से अपने कुष्ठ रोगी पति को निरोगी काया वाला बना दिया और जीवन में पतिव्रत धर्म का पालन करते हुए पति के प्रत्येक कार्य में उसका सहयोग किया। जीवन में हमें भी मैनासुन्दरी व श्रीपाल राजा की कथा से प्रेरणा लेकर धन को नहीं धर्म को महत्व देना चाहिये। उक्त उद्गार जैन संत विरल विजयजी म.सा. ने नई आबादी स्थित श्री आराधना भवन में आयोजित धर्म सभा में कहे। आपने शनिवार की यहां धर्मसभा में कहा कि जो व्यक्ति धर्म को जीवन में धारण करता है धर्म भी उसकी रक्षा करता है। प्रजापाल राजा ने कमलप्रभा की दो पुत्रियां मैनासुन्दरी व सुरसुन्दरी जिसे माता-पिता ने समान शिक्षा दी, समान सुविधाये दी, 64 कलाये सिखायी। इसके बावजूद भी दोनों के विचार भिन्न थे। मैनासुन्दरी धर्म पर श्रद्धा रखने के कारण सुखी जीवन को प्राप्त किया क्योंकि वह धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा रखने वाली थी। देव, गुरु, धर्म के प्रभाव से पति श्रीपाल ने खोया हुआ राजपाठ फिर से पा लिया। जीवन में धर्म पर अटूट श्रद्धा रखना चाहिए। नवपदजी की धर्म आराधना का शुभ फल देती है। नवपदजी की ओली का महत्व स्वीकारना चाहिए। जीवन में मिथ्यात्व दृष्टि अर्थात धन को महत्व नहीं देना चाहिये। धन के महत्व देने का परिणाम देखना हो तो सुरसुन्दरी का दृष्टांत देखो जिसे राजपूत से विवाह के बाद भी कष्ट सहन करना पड़ा।

सरस्वती महाविद्यालय में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में हुआ गरबा का आयोजन



मंदसौर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, मंदसौर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर गरबा आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बी.एड एवं डी.एल.एड के प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक गरबा नृत्य में सहभागिता की। पारंपरिक वेशभूषा एवं लोक संगीत के साथ प्रशिक्षणार्थियों ने गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पूरे वातावरण में उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला। इस आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों में सांस्कृतिक एकता, आपसी सद्भाव तथा भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में बी.एड एवं डी.एल.एड के समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय दलौदा की तीन खिलाड़ियों का कबड्डी प्रतियोगिता में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दलौदा







शासकीय महाविद्यालय दलौदा की तीन महिला खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। 22 अक्टूबर को आयोजित जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में महाविद्यालय की महिला कबड्डी टीम ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। टीम ने कोच डॉ. रजाक मेवा फ़रोश एवं मैनेजर प्रो. मेनाज बी. के मार्गदर्शन में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक अपनी जगह बनाई। टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर महाविद्यालय की चेतना व्यास, चंचल सालित्रा एवं दीपिका चौधरी का उज्जैन में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया है।

चयनित खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिता में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. माला हकवाड़िया एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

नई अफीम नीति में मॉर्फिन की शर्तों व सीपीएस व्यवस्था से किसानों की चिंता बढ़ी

केंद्र सरकार नीति की समीक्षा कर राहत दे : गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित अफीम नीति 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मंदसौर, नीमच सहित पूरे मालवा के अफीम उत्पादक किसानों को इस नीति से जुड़ी पात्रता और उत्पादन संबंधी शर्तों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। अफीम की खेती यहां के हजारों किसान परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में सरकार को किसानों की वास्तविक परिस्थितियों, खेती की लागत और मौसम की अनिश्चितता को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए।

गुर्जर ने कहा कि अफीम पद्धति में 4.4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मॉर्फिन की न्यूनतम पात्रता निर्धारित की गई है। जिन किसानों की औसत मॉर्फिन उपज 3.0 किलोग्राम या उससे अधिक, लेकिन 4.4 किलोग्राम से कम रही है, उनके लिए सीपीएस पद्धति में 5 आरी के लाइसेंस का प्रावधान किया गया है। इससे पारंपरिक लुनाई-चिराई पद्धति से खेती करने वाले किसानों के सामने अपनी खेती की पद्धति और आय को लेकर नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किसानों को उनकी वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप न्यायसंगत विकल्प और आर्थिक सुरक्षा कैसे मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगले फसल वर्ष 2027-28 के लिए 5.9 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मॉर्फिन की न्यूनतम उपज का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्राकृतिक परिस्थितियों, प्रतिकूल मौसम, फसल में बीमारी और अन्य कारणों से उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में इतना ऊंचा मानक पूरा नहीं कर पाने वाले किसानों के भविष्य के लाइसेंस पर संकट की आशंका बनी हुई है। सरकार को इस प्रावधान की समीक्षा कर किसानों को व्यावहारिक राहत देनी चाहिए।



सीपीएस पद्धति के किसानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए गुर्जर ने कहा कि इस व्यवस्था में भी उपज के कठोर मानक किसानों के लिए चिंता का विषय हैं। वर्ष 2025-26 में 800 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम औसत पोस्त भूसा उपज देने वाले किसानों को वर्ष 2026-27 में खेती से निलंबित किए जाने का प्रावधान है। वहीं, आगामी फसल वर्ष 2027-28 की पात्रता के लिए 900 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की उपज का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों की आय और लाइसेंस को उत्पादन के ऐसे मानकों से जोड़ते समय प्राकृतिक आपदाओं और मौसम के प्रभाव को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अफीम नीति जारी होने में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 दिन की देरी हुई। इससे किसानों की बुवाई की तैयारी और कृषि संबंधी योजनाएं प्रभावित हुईं। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में नीति समय पर घोषित हो, ताकि किसानों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़े।

गुर्जर ने केंद्र सरकार के समक्ष निम्न मांगें रखी

मॉर्फिन के पात्रता मानकों की समीक्षा कर किसानों को व्यावहारिक राहत दी जाए और उत्पादन में प्राकृतिक कारणों से आई कमी के लिए न्यायसंगत व्यवस्था बनाई जाए। सीपीएस पद्धति के किसानों को उपज संबंधी शर्तों में राहत दी जाए तथा कम उत्पादन के कारण किसानों की आजीविका प्रभावित होने से बचाया जाए। पारंपरिक लुनाई-चिराई पद्धति से खेती करने वाले किसानों के हितों की रक्षा की जाए और पात्र किसानों के लाइसेंस सुरक्षित रखने के लिए उचित प्रावधान किए जाएं। वर्षों से निरस्त अफीम पट्टों की बहाली तथा अन्य पात्र किसानों को लाइसेंस देने के संबंध में न्यायपूर्ण निर्णय लिया जाए।

खबर संक्षेप

आवास की किस्त नहीं मिलने से हितग्राहियों को हो रही परेशानी

आष्टा। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम चरण में स्वीकृत आवासों की दूसरी और तीसरी किस्त का भुगतान अटकने से सैकड़ों हितग्राही परेशान हैं। पहली किस्त मिलने पर कई परिवारों ने करीब एक लाख रुपए तक खर्च कर मकान का निर्माण शुरू कराया, लेकिन महीनों बाद भी अगली किस्त नहीं मिलने से काम अधूरा पड़ा है। ऐसे में कई परिवार 8 से 10 महीने से किराए के मकानों में रहने को मजबूर हैं। समस्या को लेकर पार्षद प्रतिनिधि ने सीएमओ विनोद प्रजापति को ज्ञापन सौंपकर लंबित किस्तों का भुगतान कराने की मांग की है। पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि नगर के सैकड़ों हितग्राहियों की दूसरी और तीसरी किस्त लंबे समय से लंबित है। दूसरी किस्त मिलने के बाद भी कुछ हितग्राहियों को मकान पूरा कराने के लिए इधर-उधर से कर्ज लेना पड़ा है। वहीं, अगली किस्त नहीं मिलने से कई परिवार अपने अधूरे मकानों में शिफ्ट नहीं हो पा रहे हैं और किराया चुकाने की दोहरी परेशानी झेल रहे हैं।
सीएमओ को सौंपे ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि 30 अक्टूबर तक सभी पात्र हितग्राहियों के खातों में बकाया किस्तों की राशि जमा नहीं हुई तो हितग्राहियों के साथ नगर पालिका के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

मंडी में 24,174 क्विंटल उपज की आवक

आष्टा। कृषि उपज मंडी में शुक्रवार को कुल 24,174 क्विंटल उपज की आवक हुई। सोयाबीन पीला 2,000 से 8,000 रुपए, चना सफेद 8,000 से 9,801 रुपए और चना मौसमी 5,740 से 7,400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। वहीं फल-सब्जी मंडी में प्याज और लहसुन की कुल आवक 801 क्विंटल रही। मंडी में उपज के भाव (रुपए प्रति क्विंटल) इस प्रकार रहेः गेहूं सुजाता 3,760 से 6,658, गेहूं लोकवन 2,860 से 3,242, गेहूं पूर्णा 2,807 से 3,355, गेहूं मालवराज 2,740 से 2,958, गेहूं मिल 2,500 से 2,820, चना काटा 6,600 से 7,050, चना काटकू 6,106 से 4,200, मसूर 4,701 से 6,651, राई 7,101 से 8,200, मक्का 1,602 से 2,484, उड़द 6,800 से 8,800 और मूंग 5,120 से 7,730 रुपए रहा। फल-सब्जी मंडी में प्याज 520 से 4,210 रुपए और लहसुन 1,500 से 16,410 रुपए प्रति क्विंटल बिका।

सीवन नदी से सिंचाई कर रहे पांच किसानों की मोटरें जब्त

गर्मी से पहले पानी पर पहरा, नदी और तालाबों की निगरानी के लिए बनेगी टीम

नगरपालिका अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मठ-मंदिर क्षेत्र के समीप सीवन नदी में खेतों की सिंचाई कर रहे पांच किसानों के मोटर पंप जब्त किए।



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में इस बार हुई अल्पवर्षा का असर अब दिखने लगा है। बारिश कम होने से शहर के प्रमुख जलस्रोतों का जलस्तर सामान्य से काफी नीचे है, जिससे आगामी गर्मी में पेयजल संकट की आशंका गहरा गई है। इस संभावित संकट से निपटने के लिए नगरपालिका परिषद सीहोर ने अभी से कमर कस ली है और पानी के अवैध दोहन पर सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में शनिवार को नगरपालिका अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मठ-मंदिर क्षेत्र के समीप सीवन नदी में खेतों की सिंचाई कर रहे पांच किसानों के मोटर पंप जब्त कर लिए। नपा की इस औचक कार्रवाई से नदी से मोटर लगाकर पानी खींचने वालों में हड़कंप मच गया।

क्यों पड़ी कार्रवाई की जरूरत

दरअसल, इस मानसून सीजन में सीहोर जिले में औसत से कम बारिश हुई है। जिसके कारण शहर को पानी पिलाने वाले प्रमुख जलस्रोत भगवानपुरा जलाशय, जमोनिया तालाब और जीवनदायिनी सीवन नदी में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाया है। हर साल इन्हीं स्त्रोतों से पूरे शहर की पेयजल आपूर्ति होती है। यदि इसी तरह नदी से सिंचाई के लिए पानी निकाला जाता रहा तो गर्मी में हालात और बिगड़ सकते हैं।सूत्रों के अनुसार, सीवन नदी के किनारे खेती करने वाले कुछ किसान दिन-रात मोटर पंप लगाकर नदी का पानी खेतों में लगा रहे थे। इसकी शिकायत मिलने के बाद नगरपालिका हरकत में आई।

अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

यह पूरी कार्रवाई सीएमओ सुधीर कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। मौके पर सहायक यंत्री विजय कोली के नेतृत्व में नपा का अमला पहुंचा और पांच मोटरें जब्त कर अपने कब्जे में लीं।इस संबंध में सीएमओ सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नगरपालिका की पहली प्राथमिकता शहरवासियों को पेयजल उपलब्ध कराना है। नपा का उद्देश्य पेयजल के लिए सुरक्षित पानी को बचाना और उसके अनावश्यक उपयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी और तालाबों से लगातार पानी निकालने से जलस्त्रोतों पर दबाव बढ़ेगा, जिसका खामियाजा पूरे शहर को भुगतना पड़ेगा।

आगे भी जारी रहेगी निगरानी

नगरपालिका अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। सीवन नदी और तालाबों के आसपास नियमित निगरानी के लिए टीम बनाई जाएगी। यदि कोई भी व्यक्ति पेयजल स्त्रोतों से पानी का दुरुपयोग करते पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।बहरहाल, नगरपालिका की इस कार्रवाई की शहरवासियों ने सराहना की है, लेकिन जानकारों का मानना है कि सिर्फ एक-दो दिन की कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। जल संकट जैसे गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए नपा को रोजाना निगरानी करनी होगी और लोगों को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना होगा।

मंडी के बाद अब चादबड़ में चक्काजाम की चेतावनी

ग्रामीणों ने 10 दिन का दिया अल्टीमेटम



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जर्जर सड़क और अघोषित बिजली कटौती से परेशान सीहोर-श्यामपुर मार्ग के ग्रामीणों और किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। क्षेत्रवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी सीहोर को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द निराकरण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे बिना किसी पूर्व सूचना के चांदबड़ में सीहोर-श्यामपुर मार्ग पर चक्का जाम करेंगे।क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन में बताया कि सीहोर-श्यामपुर रोड गड्ढों के कारण अत्यंत जर्जर हो चुकी है। सड़क की खस्ताहाल स्थिति के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे वाहन चालकों और आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, बिजली विभाग द्वारा की जा रही अघोषित कटौती से भी लोग त्रस्त हैं। रबी सीजन शुरू होने के कारण किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए 24 घंटे बिजली की आवश्यकता है, लेकिन अघोषित कटौती से सिंचाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि 10 दिवस की समयावधि में सड़क मरम्मत और बिजली आपूर्ति की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो किसान चांदबड़ पर उग्र आंदोलन करते हुए चक्का जाम करेंगे।

श्वांस दमा रोगियों के लिए निःशुल्क दवा वितरण

सीहोर। गायत्री परिवार ट्रस्ट के कार्यकर्ता डॉ.विमल तेजराज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि स्थानीय गायत्री शक्ति पीठ नदी चौराहा, सीहोर पर 25 अक्टुबर को रात्रि 8 से 12 बजे तक श्वांस दमा एलर्जी रोगियों को निःशुक्ल दवा वितरण किया जावेगा। इस हेतु अपने साथ एक प्लेट व चम्मच एवं कम्बल साथ लाने की कृपा करें। रोगियों को डॉक्टरों का आवश्यक मार्गदर्शन सलाह स्वस्थ्य रहने की निःशुक्ल दी जाएगी।

गरबा महोत्सव संपन्न, गरबा प्रेमियों ने लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगर के श्री मानस भवन में आयोजित ऐतिहासिक गरबा महोत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गरबा प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पारंपरिक गरबा नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा खेलकर भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत डीजे म्यूजिक बैंड आयोजन में उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्य रूप से पधारे वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय, पूर्व कैबिनेट मंत्री के पुत्र पवन वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अकोदिया शिव प्रताप मंडलोई, भाजपा प्रदेश मंत्री बलजीत चौहान, करणी सेना इंदौर जिला अध्यक्ष जयदीपसिंह चौहान उपस्थित रहे। यह आयोजन नगर की सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने और लोगों को आपस में जोड़ने की दिशा में एक यादगार पहल साबित हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष कृष्णा मंडलोई, दशरथ सिंह राजपूत, तहसीलदार राजा परख, कैलाश परमार, विजेंद्र परमार, जगदीश चौहान, हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष नारायण मुकाती, सकल समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा, रितु आनंद जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष सुदीप प्रजापति, अरविंद राजपूत, शुभम ठाकुर, दीपाली, दिग्विजय राजपूत, अजीत, हरेन्द्र राजपूत, अंकिता ठाकुर, आदित्य शर्मा, अमन कटारे, संजू बाबा व अन्य धर्म प्रेमी बंधु उपस्थित थे।

कलेक्टर बोले-स्वामित्व योजना का कार्य पूरी गंभीरता से करें पटवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले की ग्राम पंचायतों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को स्वामित्व अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए पंजीयन की कार्यवाही की जा रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी अधिकारों के दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए राजस्व विभाग द्वारा प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। पंजीयन कार्य में गति लाने के लिए राजस्व अधिकारियों द्वारा निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया जा रहा है। इस दौरान अधिकारियों द्वारा पंजीयन की प्रगति का जायजा लेने के साथ ही संबंधित अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन पंजीयन कार्य की मॉनिटरिंग एवं समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों कि दस्तावेजों का पंजीयन किया सके। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य शासन की प्राथमिकता का कार्य है। सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने पंजीयन कार्य में तेजी लाने तथा ग्रामीणों को स्वामित्व अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार को पंचायत में लगाए जाने वाले विशेष शिविरों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं।

सृजन संवाद कार्यक्रम में युवाओं को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



मध्य प्रदेश शासन के पुलिस विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, चन्द्रशेखर आज़ाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, नागरिक अधिकारों, पुलिस की कार्यप्रणाली, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक करना एवं पुलिस और युवाओं के मध्य संवाद तथा विश्वास को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नितिन बातव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के महत्त्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रशांत चौबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका तथा पुलिस एवं आम नागरिकों के बीच समन्वय के महत्त्व को रेखांकित किया। उन्होंने युवाओं को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश अहिरवार द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न वक्ताओं एवं उनके विषयों का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। शिरीष उपासनी, अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी, सीहोर ने आपराधिक न्याय व्यवस्था विषय पर व्याख्यान दिया। प्रधान आरक्षक सुशील साल्वे, साइबर सेल, सीहोर ने साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल नागरिकता के संबंध में जानकारी प्रदान की।

बाल कलाकारों को किया गया पुरस्कृत



हरिभूमि न्यूज ⏭ बागली

सार्वजनिक राजराजेश्वरी माता मंदिर में नवदुर्गोत्सव के दौरान गरबा नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध करने वाले बाल कलाकारों का विपिन शिवहरे मित्र मंडल और ओम महाशक्ति ग्रुप द्वारा समारोह आयोजित कर सम्मान किया गय। समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष सीमा कमल यादव, आरती विपिन शिवहरे, कमल यादव, मोतीलाल पटेल, दाखा कारपेंटर, मुकेश गोस्वामी, ललिता राजपूत, शिवचरण भटुनिया और महेश गोस्वामी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गरबा नृत्य कोरियोग्राफर शिवम शर्मा और मोना सिकरवार का भी सम्मान किया गया। गरबा करने वाली बालिकाओं को राजा राघवेंद्र सिंह राजपूत की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए।विपिन शिवहरे मित्र मंडल ने परंपरा के अनुसार गरबा पंडाल में सफाई करने वाले सफाईकर्मी मोहन लावरे और संजू भाई, लाइट डेकोरेशन करने वाले अतुल भारती तथा गरबा संचालक रोहित जायसवाल सहित आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया।अतिथियों का स्वागत मोहन सिकरवार, जगदीश राठौर, सतीश गेहलोत, राजेश वर्मा, जितेंद्र चावड़ा और शीला चावड़ा ने किया। समारोह का संचालन शिक्षक वारिस अली ने किया तथा आभार आरती शिवहरे ने माना।

निगम टीम ने औद्योगिक इकाइयों के साथ की चर्चा

देवास। निगमायुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम द्वारा शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कडी में शुक्रवार को निगम स्वच्छ भारत मिशन टीम द्वारा शहर की थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में आने वाली औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ पृथक पृथक बैठक आयोजित कर भारत सरकार द्वारा जारी किए गये नियमों के प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में औद्योगिक इकाइयों द्वारा उत्पन्न होने वाले कचरे के उचित प्रबंधन, कचरे के पृथक्कीकरण, वैज्ञानिक निस्तारण तथा नियमों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी साझा की गई। साथ ही संबंधित औद्योगिक इकाइयों द्वारा अब तक किए गए कार्यों एवं नियमों के पालन की दिशा में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया। निगम द्वारा औद्योगिक इकाइयों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्रभारी कलेक्टर पहुंचे चिड़ावद

शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास



मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान तहत टोंकखुर्द के चिड़ावद में आयोजित शिविर के पहले प्रभारी कलेक्टर दलीप कुमार ने उप-स्वास्थ्य केंद्र कलमा, आंगनवाड़ी केंद्र, माध्यमिक विद्यालय कलमा, शासकीय उचित मूल्य दुकान टोंककला एवं नव निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिड़ावद का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभिन्न सेवाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।प्रभारी कलेक्टर दलीप कुमार ने माध्यमिक विद्यालय कलमा का निरीक्षण कर प्राचार्य से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की संख्या के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनकी पढ़ाई और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछा। प्रभारी कलेक्टर कुमार ने स्मार्ट टीवी के माध्यम से पढ़ाई होने के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा विद्यार्थियों से विज्ञान एवं गणित के प्रश्न पूछे। उन्होंने गणित के प्रश्न स्वयं बोर्ड पर लिखकर विद्यार्थियों से हल करवाए और शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।प्रभारी कलेक्टर कुमार ने आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से केंद्र में दर्ज बच्चों की संख्या एवं उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर की जांच की तथा बच्चों को समय पर टेक होम राशन (टीएचआर) मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा परिसर में घास कटाई एवं साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए।उप स्वास्थ्य केंद्र कलमा के निरीक्षण के दौरान प्रभारी कलेक्टर कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) से पदस्थ स्टाफ की संख्या, वर्तमान में आने वाले मरीजों तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने दवाई स्टॉक एवं स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन कर दवाइयों की उपलब्धता की स्थिति जानी। साथ ही एएनसी पंजीयन रजिस्टर की जांच कर चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। प्रभारी कलेक्टर कुमार ने शासकीय उचित मूल्य दुकान टोंककला का निरीक्षण कर उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक की जानकारी ली तथा स्टॉक का मिलान किया। उन्होंने वितरित किए गए राशन की जानकारी भी प्राप्त की। साथ ही उपस्थित नागरिकों से चर्चा कर राशन वितरण की वस्तुस्थिति जानी।साथ ही प्रभारी कलेक्टर दलीप कुमार ने नव-निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिड़ावद का निरीक्षण कर विभिन्न वार्डों का अवलोकन किया।

चिश्तिया ग्रुप के सदर बने अंसारी पठान को नायब सदर की जिम्मेदारी



हरिभूमि न्यूज ⏭ भौरासा

गरीब नवाज के 815वें उर्स के अवसर पर भौरासा में आयोजित होने वाले 23वें उर्स की तैयारियों को लेकर आष्टा में चिश्तिया ग्रुप भौरासा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से सलमान अंसारी को ग्रुप का सदर (अध्यक्ष) तथा सोहेल पठान को नायब सदर (उपाध्यक्ष) नियुक्त किया गया।बैठक में आगामी उर्स की तैयारियों और आयोजन की सफलता को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान ग्रुप के सदस्यों ने 23वें उर्स की कामयाबी के लिए दुआ की अपील करते हुए सभी से ग्रुप को अपनी दुआओं से नवाजने का आग्रह किया।बैठक में आष्टा से याकूब मामू, नासिर भाई, अयाज पार्षद, सानू राइन, सपीक पठान, आमीन कुरैशी, अकबर बैग और इकराम जीजा सहित भौरासा से रेहान पठान, अकील बेलिम, सद्दाम चिश्ती, आफताब आलम, एडवोकेट अजहर चिश्ती सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अंत में साजिद चिश्ती ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।